

ASME-24BC-PHIL-II
PHILOSOPHY (PAPER-II)
दर्शनशास्त्र (पेपर-II)

Time Allowed : 3 Hours

[Maximum Marks : 100

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions .

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

1. There are EIGHT questions printed in both. English and Hindi.
इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में छपे हैं ।
2. Candidate has to attempt FIVE questions in all either in English or Hindi.
उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में देने हैं ।
3. Question No. 1 is compulsory. Out of remaining seven questions, FOUR are to be attempted.
प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है । शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question/ part are indicated against it.
सभी प्रश्नों के समान अंक हैं । प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।
5. Write answers in legible handwriting. Illustrate your answers with suitable sketches and diagrams, wherever considered necessary.
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखिए । जहाँ भी आवश्यक समझा जाए, वहाँ अपने उत्तरों को उपयुक्त रेखाचित्रों और आरेखों के साथ स्पष्ट कीजिए ।
6. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
प्रश्न के भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए ।
7. Attempts of the questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो । खाली छोड़ें गए कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पर्णतः काट दीजिए ।
8. Re-evaluation/ re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुनः जाँच की अनुमति नहीं है ।

1. Write short notes on the following:

5x4=20

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें:

- (a) Brahmavihāras
ब्रह्मविहार
- (b) Notion of Yama and Niyama in Yoga philosophy
योग दर्शन में यम तथा नियम की अवधारणा
- (c) Aristotle's notion of virtue
अरस्तू की सद्गुण की अवधारणा
- (d) Philosophy of Religion and its relation with Theology
धर्म-दर्शन तथा इसका धर्मशास्त्र/ईश्वरमीमांसा से संबंध
- (e) Scientific Temper and Progress
वैज्ञानिक भाव तथा प्रगति

2. Bring out the main points of differences between Bentham's and Mill's approaches towards Utilitarianism. Also briefly outline some of the philosophical arguments against Utilitarianism offered by different later thinkers. 20

उपयोगितावाद के प्रति बेंथम और मिल के दृष्टिकोणों के बीच भेद के मुख्य बिंदुओं को उजागर करें। उत्तरवर्ती विभिन्न विचारकों द्वारा उपयोगितावाद के विरुद्ध प्रस्तुत किए गए कुछ दार्शनिक तर्कों को भी संक्षेप में रेखांकित करें।

3. Critically discuss the difference between the notions of Sādharma dharma, Sāmānya dharma and Svadharmā as presented in classical Indian philosophy. In that context also discuss the notions of Varṇa dharma and Aṣrama dharma. 20

शास्त्रीय भारतीय दर्शन में प्रस्तुत साधारण धर्म, सामान्य धर्म तथा स्वधर्म की अवधारणाओं के बीच अंतर की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये। इस संदर्भ में वर्ण धर्म तथा आश्रम धर्म की अवधारणाओं पर भी चर्चा करें।

4. Compare and contrast Austin's notion of sovereignty with that of Laski. Do these notions still hold relevance in the contemporary global politics? Critically discuss. 20

ऑस्टिन की संप्रभुता की अवधारणा की तुलना लास्की द्वारा प्रस्तुत अवधारणा से करें। क्या ये अवधारणाएँ आज भी समकालीन वैश्विक राजनीति में प्रासंगिक हैं? समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

5. Explain the difference between Early Wittgenstein's approach towards theory of meaning with that of Later Wittgenstein. 20

अर्थ के सिद्धांत के संबंध में पूर्ववर्ती विट्गेन्स्टाइन के दृष्टिकोण तथा उत्तरवर्ती विट्गेन्स्टाइन के दृष्टिकोण के बीच अंतर की व्याख्या करें।

6. "The issue of gender-equality is inevitably connected with issues of gender-justice and liberty." Critically discuss. 20

“लैंगिक-समानता का विषय अनिवार्य रूप से लैंगिक-न्याय और स्वतंत्रता/स्वच्छंदता (लिबर्टी) के विषयों से जुड़ा हुआ है।” समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

7. What could be possible arguments for and against the view that equality is prioritized at the expense of liberty in Socialism and Marxism? Critically discuss. 20

इस मत के पक्ष और विपक्ष में क्या संभावित तर्क हो सकते हैं कि समाजवाद और मार्क्सवाद में स्वतंत्रता/स्वच्छंदता (लिबर्टी) की कीमत पर समानता/समता को प्राथमिकता दी जाती है? समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।

8. Explain and critically discuss the main points of difference between Historical, Sociological and Psychological approaches towards the study of religion. 20

धर्म के अध्ययन के संदर्भ में ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणों के बीच मुख्य अंतरों की व्याख्या तथा समालोचनात्मक विवेचना कीजिये।
